वर्ष :: 34 अंक : 03
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

सभी सुधी पाठकों व शुभचिंतकों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 15 अक्टूबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

हेमंत को झटके पर झटका

विशेष संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जारी तकरार के बीच श्री सोरेन की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के बाद अब झारखंड हाईकोर्ट से भी हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है। ईडी के समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दी। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंदा सेन की खंडपीठ ने मुख्यमंत्री की याचिका को सुनवाई के योग्य नहीं माना।

दरअसल, जमीन घोटाला के मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने मुख्यमंत्री को एक के बाद एक, कुल पांच बार समन जारी किया, लेकिन वे कभी भी ईडी के दफ्तर नहीं पहुंचे। हाईकोर्ट में ईडी के अधिवक्ता ने बहस करते हुए कहा कि समन को चुनौती देना सही नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट में मनोहर लाल केस का हवाला देते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने कहा कि ईडी समन जारी कर सकती है। दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को चुनौती देते हुए अदालत से आग्रह किया था कि ईडी के सारे समन निरस्त किए जाएं। इसके लिए श्री सोरेन ने इसके पहले सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन देश की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें झारखंड हाईकोर्ट जाने को कहा।

22 सितम्बर को हाईकोर्ट पहुंचे थे सीएम

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में 22 सितंबर को याचिका दायर की थी। इसके साथ ही उन्होंने पत्र लिखकर ईडी को याचिका दायर करने की जानकारी दी और हाईकोर्ट का निर्देश आने तक इंतजार करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री की ओर से दायर याचिका में पीएमएलए की धारा 50 और 63 को असंवैधानिक करार देने और उन्हें जारी किए गए सारे समन को निरस्त करने का अनुरोध किया गया था। जबकि, ईडी ने जमीन खरीद-बिक्री मामले में मुख्यमंत्री को चौथा समन भेजकर पूछताछ के लिए 23 सितंबर को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया था। फिर उनकी पेशी नहीं होने पर ईडी ने 26 सितंबर को पांचवां समन जारी कर उन्हें 4 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन, इसके बाद भी वे ईडी कार्यालय में पेश नहीं हुए।

इधर, हेमंत ने चेताया- जेल गया, तो होगा बड़ा आंदोलन

ईडी के आरोपों के बारे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कहना है कि वह गरीब का बेटा हैं, इसलिए उन्हें झूठे केस में जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। शनिवार को गोइलकेरा में जल-जंगल-जमीन आंदोलन के नायक, माटी पुत्र वीर शहीद देवेन्द्र मांझी के शहादत दिवस पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए श्री सोरेन ने कहा- झारखंड सरकार का केंद्र के पास 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपया बकाया है। इसका हिसाब हमने केंद्र का पास रखा और उनसे मांग की तो मुझे संस्था के जाल में फसाने का काम किया जा रहा है। केंद्र को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा - मुझे झूठे केस में जेल भेजने के तैयारी हो रही है। यह होने नहीं देंगे। जेल गए तो बड़ा आंदोलन होगा। इस बार सीधा आर-पार की लड़ाई होगी।

पूर्व डीसी समेत कई जेल में

दरअसल, जमीन घोटाले के मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छविरंजन सहित कई लोग जेल में बंद हैं। इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने पांच बार समन जारी कर मुख्यमंत्री को अपने दफ्तर में बुलाया, लेकिन शायद उन्हें गिरफ्तारी का डर सता रहा है। इसीलिए वे ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए और कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए उन्होंने ईडी के अधिकार को चुनौती दी थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट के बाद उन्हें झारखंड हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी।

अवैध खनन के मामले में भी हुई थी पूछताछ

दरअसल, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी होने के बाद ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी से समन वापस लेने को कहा था। उन्होंने कहा था कि हमने पहले ही अपनी संपत्ति की जानकारी दे दी है। अगर वह गुम हो गया है तो वे फिर से इसे उपलब्ध करा सकते हैं। मालूम हो कि इससे पूर्व अवैध खनन मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए समन जारी किया था। उस दौरान वे ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे और ईडी के सभी प्रश्नों का जवाब दिया था। पूछताछ के दौरान संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी ईडी को उपलब्ध कराए थे।

फिर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे सीएम!

ईडी के समन को चुनौती देने वाली याचिका झारखंड हाईकोर्ट से खारिज होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब पुनः सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और वहां विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करेंगे। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने उक्त जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए सुप्रीम कोर्ट में फिर से न्याय की गुहार लगाई जाएगी। देखना यह है कि इस मामले में आगे क्या होता है। लेकिन, विपक्ष को इस बात का पूरा भरोसा है कि भ्रष्टाचार के इस मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

अतिक्रमण पर आक्रमण

सपने जमींदोज

बोकारो : बीएसएल प्रबंधन की ओर से आवासों पर अवैध कब्जे के साथ-साथ बीएसएल की जमीन का अतिक्रमण कर अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में सम्पदा न्यायालय के आदेश पर नगर के सेक्टर-4 थाना क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ सघन कार्रवाई चली। दो दिन में लगभग 65 अवैध निर्माण डोजर लगाकर ध्वस्त कर दिए गए। मजदूर मैदान व बोकारो जेनरल अस्पताल (बीजीएच) गोलंबर के बीच यह कार्रवाई चली। अभियान में बोकारो स्टील प्लांट के नगर सेवा विभाग के अधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट और भारी संख्या में पुलिस व सुरक्षा बल के जवान तैनात रहे। इलाका छावनी में तब्दील रहा। प्रबंधन के अनुसार जिस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है, वहां से गैस तथा जलापूर्ति की पाइप लाइन गुजर रही है। इसलिए फिलहाल मुख्य सड़क से 25 मीटर के दायरे में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। यह आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई का दूसरा पहलू आशियानों के साथ अपने सपने टूटता देख रहे लोगों की बेबसी रही। महिला-बच्चों संग वे रोते-गिड़गिड़ाते रहे और डोजर गरज-गरजकर एक-एक उम्मीद से जोड़ी गई ईंट को गिराता रहा। सवाल यह उठ रहा है कि जब ऐसे निर्माण की नींव दी जा रही थी, उस वक्त ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? बीएसएल सुरक्षा विभाग के लोग उस समय क्या कर रहे थे? कहा जाता है कि बीएसएल के सुरक्षा विभाग ने ही उन्हें अवैध रूप से बसाया है। लेकिन, अब शहर का हिस्सा बन चुके लोगों पर कहर बरपाया जा रहा है? लेकिन, गलत तो गलत ही है, जिसका परिणाम आज न कल सामने आना तय है।

- संपादकीय -

खतरे की घंटी

इजरायल पर आतंकवादी संगठन हमास के हमले और उसकी बर्बरता की कहानी यही कह रही है कि विश्व में अब धर्म-युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। इसे विश्व-युद्ध की सुगबुगाहट के तौर पर भी देखा जा सकता है। क्योंकि, इजरायल पर हुए इस आतंकी हमले के बाद आतंकी संगठन हमास के खिलाफ इजरायल की गाजा में कार्रवाई को लेकर दुनिया के देश आपस में बंट गए हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, ऑस्ट्रिया, नोर्वे, स्पेन, पोलैंड और यूरोपीय यूनियन ने इजरायल पर हमास के हमले की न सिर्फ आलोचना की है, बल्कि इजरायल को अपना समर्थन भी दिया है। जबकि, दूसरी ओर ईरान, लेबनान, कतर, यमन सहित 22 अरब देशों के अलावा कई अन्य देश फिलिस्तीन के समर्थन में उतर आये हैं। इन देशों ने हमास के आतंकियों द्वारा महिलाओं, बच्चों और निर्दोष लोगों के नरसंहार और सैकड़ों लोगों के अपहरण की पैशाचिक घटना और उनकी क्रूरता की अनदेखी कर दी है। उधर, इजरायल अपनी ओर से जवाबी कार्रवाई करते हुए हमास के ठिकानों को ध्वस्त कर उनका नामोनिशान मिटाने की दिशा में कड़ी कार्रवाई कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह चुके हैं कि इस लड़ाई में भारत इजरायल के साथ है। लेकिन, आश्चर्य इस बात की है कि सिर्फ मोदी विरोध के अपने एजेंडे पर कायम रहकर देश पर 60 वर्षों तक राज करने वाली सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस आतंकवादियों (हमास) के साथ खड़ी है। कांग्रेस केवल एक खास समुदाय को खुश करने के अपने पुराने फार्मूले पर कायम है। इतना ही नहीं, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों ने फिलिस्तीन के समर्थन में सड़कों पर प्रदर्शन किया। फिर उसके बाद मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इजरायल को दिए गए समर्थन की निन्दा की, लेकिन वहां हमास के आतंकियों द्वारा बेगुनाहों की निर्मम हत्या पर उसने कुछ नहीं कहा। बल्कि, हमास की हैवानियत भरी कार्रवाई को एक्शन का रिएक्शन और स्वतंत्रता सग्राम बताया गया। देश के कई मौलानाओं ने भी मोदी को जालिम बताते हुए फिलिस्तीन का समर्थन किया। जुमे की नमाज में आतंकवादियों की हमदर्दी में दुआएं मांगी गईं। समाजवादी पार्टी भी हमास के समर्थन में है। इससे स्पष्ट है कि हमास के आतंकियों ने इजरायल में जिस तरह बर्बरता को अंजाम दिया, वह इनके लिए कोई मायने नहीं रखता है। इन परिस्थितियों में दुनिया के देशों का अलग-अलग समूहों में बंटना और भारत में मोदी विरोधियों द्वारा आईएसआईएस के दूसरे स्वरूप में उभरे हमास जैसे आतंकी संगठन का साथ देना पूरे विश्व और खासकर भारत के लिए विशेष रूप से खतरे की घंटी है। इंसानियत को तिलांजलि देकर हैवानियत का साथ देना 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की सनातन सोच के साथ पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके भारतीयों (जो हैवानियत का साथ दे रहे हैं) के लिए शोभनीय नहीं माना जा सकता। भारत आज विश्व-गुरु बनने की राह पर अग्रसर है, लेकिन इसी देश के नागरिक यदि हैवानियत का साथ दें तो यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। आज मानवता को बचाने की जरूरत है। ऐसे में अब देशवासियों के लिए भी यह आत्म-चिंतन का समय है। हमें यह तय करना होगा कि हम मानवता को बचाने के पक्षधर हैं या इंसानियत का खून बहाकर उसे लहूलुहान करने वाली मानसिकता के...?

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

सवालों के घेरे में खुफिया-तंत्र

- बी. के. गुप्ता -

रूस और यूक्रेन का युद्ध अभी खत्म भी नहीं हुआ कि इजरायल और हमास में महाविनाशकारी युद्ध शुरू हो गया। ऐसा शुरू हुआ कि पिछले 75 वर्षों के इतिहास में इतनी बड़ी तादाद में किसी युद्ध में लोगों की जान नहीं गई। जिस कदर स्थिति भयावह होती चली जा रही है, उससे कहीं-न-कहीं यह तीसरे विश्वयुद्ध का संकेत माना जा रहा है। इसके पीछे खुफिया-तंत्र का विफलता सबसे बड़ा कारण समझा जा रहा है। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद, इसे किलिंग मशीन भी कहा जाता हैं, क्योंकि यह इजराइल के खिलाफ कुछ भी करने वाले लोगों को दुनिया के किसी भी कोने से खोज निकालते हैं। लेकिन, इजरायल पर हमास के अचानक हमले ने सबसे शक्तिशाली खुफिया एजेंसियों में शुमार मोसाद की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इजरायल, वह देश जहां की सुरक्षा-व्यवस्था की मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है, जो अपने बुलंद और चुस्त-दुरुस्त सैन्यबल के जाना जाता रहा है, वहां अचानक एक बार में ही तमाम सुरक्षा-व्यवस्था का धरे रह जाना और महाताबाही का आना कोई ऐसी-वैसी बात नहीं। हमास के क्रूर हमलों को रोकने में इजराइल की सुरक्षा सेवाओं की विफलता अपने-आप में चौंकाने वाली है, जिसे लेकर अब मंथन शुरू हो चुका है।

दुस्साहस की चरमसीमा

'अल्लाह हू अकबर' का हिंसक नारा और गोलियों की तड़तड़ाहट के साथ लोगों की जान ले लेना। सड़कों पर इंसानियत की लाशें बिछा देना, मानवता को नेस्तनाबूद करना यही हालात इजरायल में हमास ने दिखाए। वस्तुतः, धर्मविशेष के नाम पर आतंकवाद के दुस्साहस की यह चरमसीमा है।

यहां राजनीतिक अवमूल्यन की पराकाष्ठा

अपने देश को जितना बाहरी दुश्मनों से खतरा है, शायद उससे ज्यादा देश के भीतर बैठे जरासन्धों से है। यहां का राजनीतिक पतन इस कदर पाताललोक तक हो चुका है कि आपातकाल में देश को जोड़े रखने या सियासत से परे एकजुट खड़े होना सोचना भी 'पाप' है। यहां तो देश के नाम की आड़ में ही देश के दुश्मनों की वकालत करना उनका "परमधर्म' और महज वोट की खातिर जात-पात में देश और देशवासियों को टुकड़ों में बांटना अब मकसद रह गया है। यह राजनीतिक मूल्य के संकुचन की पराकाष्ठा है। आज जब अपना देश धर्मजनित आतंकवाद से जूझ रहे इजराइल का साथ दे रहा है, पीएम मोदी ने इसका ऐलान भी किया है, ऐसे में देश के ये तथाकथित 'रहनुमा' बस मोदी-विरोध के अपने एकसूत्री एजेंडे के विद्वेष में फिलिस्तीन का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। इस घड़ी में इन्हें पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी द्वारा संसद में दिए गए उस कथन से सीख लेनी चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था- सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए।" आज इजरायल में वहां के पूर्व प्रधानमंत्री और पक्ष-विपक्ष के तमाम लोगों सहित वहां का जन-जन देश के लिए खड़ा है। इनसे भी तो कम से कम अपने यहां ये 'बुद्धिजीवी' सीख लें!!!

इतिहास से लें सीख

महाभारत काल से ही इतिहास गवाह है कि युद्ध का परिणाम कभी भी अच्छा नहीं हुआ। हमें एक उज्जवल भविष्य बनाने के लिए इतिहास की गलतियों से सीख लेने की जरूरत है। युद्ध में हजारों-लाखों निर्दोष जानें जाती हैं। अभी जो मौजूदा हालात है, उसमें जी20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों को एकजुट होकर कारगर पहल करने की जरूरत है। वैश्विक शांति की स्थापना में उन्हें आगे आना चाहिए। विशेषकर, आतंकवाद के खिलाफ सख्ती से पेश आना ही होगा। और इसके लिए दुनियाभर की सरकारों का सम्मिलित प्रयास आवश्यक है। तभी हमारी सुंदर धरती सुंदर रह सकेगी और मानवता का अस्तित्व बना रह सकेगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

हिन्दी कविता

वक्त के साथ

मिलती आई है हमें, बचपन से यह सीख
वक्त के साथ रखो यारी।
भाग्य भरोसे मत बैठो कुण्डली मार
और न ओढ़ो कोई लाचारी।

वक्त को बना अपना ओढ़ना-बिछौना
हमने उम्र गुजार दी सारी।
पर निकला वक्त, बच्चों का खिलौना
उम्र पर चला दी आरी।

है बदलता वक्त, पल-पल सभी का
न वह रुके न माने हारी।
हम देखते हैं घड़ी, क्या हो चला है वक्त,
या कैसे दें वक्त को मात।

वक्त ही बताता आदमी की औकात
जो है, अनबूझा प्रपात।
कहता, कण-कण की कथाओं को दे मात
है दिन अलग, अलग रात।
हम कहते, है मजबूत आमुक का वक्त
या चल रहा खराब वक्त।
है गूढ़ रहस्य, होते वक्त के नियम शक्त
वक्त भी है वक्त का भक्त।
रे मन! तनिक समझ, तू तौल वक्त को
और दिखा उसे लहरों की धारी।
अगर बन साहसी तू वक्त पर चली
तो मोड़ देगी मौत की सवारी।

देख नचिकेत की वक्त की नजाकत
यमराज ने भी मानी थी हारी।
मिलती आई है हमें, बचपन से सीख
वक्त के साथ रखो यारी।

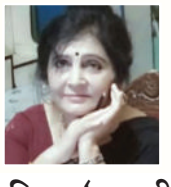

- डॉ.सविता मिश्रा 'मागधी', बेंगलुरू -

इस्पातनगरी पर चढ़ा दुर्गोत्सव का रंग

अक्षरधाम मंदिर, झारखंड विधानसभा, वृंदावन प्रेम मंदिर सहित कई विश्वस्तरीय इमारतों की दिखेगी झलक

संवाददाता
बोकारो : महालया के साथ ही इस्पातनगरी बोकारो और उपशहर चास सहित पूरा जिला जगतजननी मां जगदम्बा की आराधना में लीन हो चुका है। हर तरफ दुर्गोत्सव का रंग चढ़ चुका है और वैदिक मंत्रोच्चार तथा मैया के भजन गूंजने लगे हैं। गत वर्षों की भांति इस बार भी बोकारो में दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने की तैयारी है। विभिन्न जगहों पर पूजा समितियां भव्य आयोजन करने में लग चुकी है। पूजा पंडालों का निर्माण-कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। बोकारो में दुर्गा पूजा पर बननेवाले पंडाल अपने-आप में विशेष होते हैं और इस बार भी विभिन्न सेक्टरों में कुछ ऐसी ही खास तैयारी जोरशोर से की गई है। सेक्टर-2 पूजा पंडाल में इस बार यहां वृंदावन के प्रेम मंदिर का प्रारूप देखने को मिलेगा। 120 फुट ऊंचे इस पंडाल की लागत 11 लाख रुपये होगी, जिसमें मां दुर्गा की 10 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। पंडाल-निर्माण के लिए जामताड़ा के कारीगरों की विशेष टीम बुलाई गई है। सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल इस बार यह है कि कारीगर मो. आलम के नेतृत्व में 18 कारीगर पंडाल बनाने में लगे हैं। यहां भव्य मेला भी लगाया जाएगा। मीना बाजार व खानपान के स्टॉल आकर्षण के केंद्र होंगे।

इधर, सेक्टर 9 वैशाली मोड़ में कोलकाता के इस्कॉन मंदिर के प्रारूप का 100 फुट ऊंचा और 120 फीट चौड़ा पंडाल बनाया जा रहा है। 12 लाख रुपए की लागत से कोलकाता के मायापुर स्थित इस्कॉन मंदिर के प्रारूप वाले इस पंडाल को बनाने में 30 कारीगर दिन-रात लगे हुए हैं। यहां ढाई लाख रुपए की लागत से स्पेशल थीम पर दृश्य का निर्माण किया जा रहा है। सेक्टर-12ए में दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर की अनुकृति का पंडाल बन रहा है। 6 लाख रुपए की लागत से बन रहे पंडाल की चौड़ाई 70 फीट और ऊंचाई 75 फीट होगी। बंगाल के 22 कारीगर दिन-रात पंडाल बनाने के काम में लगे हुए हैं। यहां भी बच्चों से लेकर बड़ों तक के मनोरंजन के लिए मेला लगाया जाएगा। इसी प्रकार, सेक्टर 12 ए-ई में सर्वधर्म समन्वय समिति की ओर से इस साल झारखंड विधानसभा के प्रारूप का पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। पांच लाख रुपए की लागत से बन रहे इस पंडाल की ऊंचाई 60 फीट और चौड़ाई 80 फीट होगी, जिसे 15 कारीगर मिलकर बनाने में लगे हैं। पंडाल में प्रतिमा के पीछे बनारस के गंगा घाट का दृश्य रहेगा। इसी प्रकार, नगर के सेक्टर- 3 में बंग भारती और चक्की मोड़ में बंगाली पद्धति से पूजा मनाने की जोरशोर से तैयारी की जा रही है। थाना मोड़ के दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भी मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित करने की तैयारी है।

सेक्टर-9 गायत्री मंदिर मैदान में पेरिस के पवित्र हृदय संग्रहालय के स्वरूप का पंडाल पंडाल में विद्युत संचालित माता दुर्गा की प्रतिमा लगाई जाएगी। पंडाल की चौड़ाई 152 फीट और ऊंचाई 121 फीट होगी, जिसमें मैया की विद्युत संचालित प्रतिमा लगेगी। इधर, चास के बिहार कॉलोनी में इस साल दुर्गा पूजा में वृंदावन के चंद्रोदय मंदिर के आकृति का पूजा पंडाल बन रहा है। पंडाल की ऊंचाई 70 फीट होगी, जिसमें माता दुर्गा की 12 फीट की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

330 स्थानों पर होगी पूजा, संवेदनशील जगहों पर खास निगरानी

समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा में विधि-व्यवस्था संधारण हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में उपविकास आयुक्त कीर्तिश्री जी., अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता मेनका, मुख्यालय डीएसपी मुकेश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे। अपने संबोधन में उपायुक्त श्री चौधरी ने कहा कि जिले में बड़े-छोटे लगभग 330 स्थानों पर दुर्गा पूजा का आयोजन होने जा रहा है। अलर्ट मोड में रहते हुए छोटी-बड़ी सभी बातों पर ध्यान रखना होगा। उन्होंने पिछले 10 वर्ष तक संबंधित क्षेत्रों में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आईपीसी की 107 एवं अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई करने/कार्रवाई के लिए अनुशंसा करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा। डीसी ने कहा कि विसर्जन का रूट पारंपरिक ही रहेगा। रूट में कोई बदलाव नहीं होगा। एसपी प्रियदर्शी आलोक ने एसडीपीओ ने शांतिपूर्ण माहौल में दुगार्पूजा तथा रावण दहन संपन्न कराने को लेकर दिशा-निर्देश दिया। आवश्यकता अनुरूप मिनी कंट्रोल रूम स्थापित करने को कहा। अफसरों ने कहा कि कहीं भी भड़काऊ एवं अश्लील गाने बजे, तो आयोजन समिति के लोग नपेंगे। बैठक में सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार, चास एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार, बेरमो एसडीपीओ वीएन सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, विशेष कार्य पदाधिकारी कनिष्क कुमार, ट्रैफिक डीएसपी पूनम मिंज, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

परंपरा मिथिला सांस्कृतिक परिषद का विद्यापति सम्मान समारोह आयोजित, गरिमा बनाए रखने का आह्वान

माधुर्य, शिक्षा व संस्कृति मिथिला की पहचान : एसपी

संवाददाता
बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा नगर के सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर में विद्यापति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो के एसपी प्रियदर्शी आलोक, विशिष्ट अतिथि डालमिया भारत सीमेंट, बोकारो के सीईओ प्रिय रंजन, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार, महासचिव अविनाश कुमार झा, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष हरि मोहन झा, सचिव पीके झा चंदन, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष सीमा झा ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व महाकवि विद्यापति की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। परिषद की ओर से मुख्य अतिथि प्रियदर्शी आलोक, विशिष्ट अतिथि प्रिय रंजन व निक्की रंजन को मिथिला परंपरानुसार पाग, शॉल व मिथिला पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद द्वारा इस वर्ष अप्रैल में आयोजित दो दिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व समारोह में नाटक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में शामिल बोकारो के कलाकारों सहित परिषद के सक्रिय पदाधिकारियों व कार्यकताओं को मुख्य अतिथि एसपी प्रियदर्शी आलोक व विशिष्ट अतिथि प्रिय रंजन ने सम्मानित किया। साथ ही मिथिला से आये शिक्षाविद अरुण कुमार झा, मंजू झा व दिगंबर झा को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एसपी प्रियदर्शी आलोक ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला की पहचान मैथिली भाषा की मधुरता के साथ ही शिक्षा, कला व संस्कृति की अतुलनीय विशिष्टताओं को लेकर है। वर्तमान परिवेश में युवाओं पर आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा है, ऐसे में शहरों में रह रहे युवावर्ग को मिथिला की संस्कृति व संस्कार से जोड़े रखने में इस तरह के कार्यक्रमों की प्रशंसनीय भूमिका होती है। विशिष्ट अतिथि प्रिय रंजन ने भी संस्कृति से जुड़ाव की आवश्यकता बताई।

इसके पूर्व, प्रारंभ में स्वागत भाषण में परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने परिषद की गतिविधियों एवं परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महासचिव अविनाश कुमार झा ने वार्षिक प्रतिवेदन में परिषद की गतिविधियों को रेखांकित किया। इस मौके पर मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ, जिसमें गायक अरुण पाठक, उमेश कुमार झा, अविनाश झा व गायिका करिश्मा प्रसाद ने मैथिली गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में की बोर्ड पर राजेन्द्र, हैंडसोनिक पर राकेश कुमार सिंह व नाल पर विश्वनाथ गोस्वामी ने संगत की।

अंग्रेजी हुकूमत के समय से कुंडौरी में होती रही है मां दुर्गा की भव्य पूजा

गोस्वामी परिवार ने 1924 में फूस का मंदिर बनाकर की थी शुरुआत

मुन्ना दुबे
बोकारो : उत्तर विस्थापित क्षेत्र के कुडौरी गांव में मां दुर्गा का आकर्षक मंदिर है, जहां गुलाम भारत से दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। यहां बलि पूजा होती है तथा मेला भी लगता है। इसमें दूर-दूर के लोग देखने आते हैं। कुछेक पुराने लोग बताते हैं कि अंग्रेजी हुकूमत के वक्त लगभग 1924 - 25 में तब के बुजुर्ग ने पुरी गोस्वामी परिवार के जमीन पर मिट्टी की दीवार और फूस का मंदिर बनाकर पूजा शुरु की थी। बाद में दूसरी बार सुरकी चूना-पत्थर गुड़ आदि से तथा तीसरी बार यहां मंदिर खूबसूरत बना। गांव के मदनलाल महतो, गौरीशंकर अग्रवाल, नरसिंह साव आदि ने बताया कि यहां के प्रथम पुरोहित महुआर सेक्टर 9 निवासी स्व मुरली पांडे थे। उनके निधन के बाद रामगढ़ जिला बरलांगा के स्व. बाबूलाल पांडे, स्व. झब्बू पांडे तथा स्व शिवनंदन पांडे रहे। फिलवक्त शिवनंदन के पुत्र संदीप मुख्य पुरोहित है। बताते हैं कि स्व. नंदा महतो, कनी राम मैनेजर, स्व मुरली पांडेय, स्व रामधनी दुबे, स्व लालचंद महतो, गौर चंद्र मंडल, स्व जगदीश महतो, मुखिया स्व गंगा नारायण महतो सरपंच स्व किनु महतो आदि को हम ग्रामीण नमन करते हैं, जो कुंडौरी को सौगात में मंदिर देकर गए। कमेटी के अध्यक्ष रितेश मंडल ने बताया कि गांव के 50 फीसदी लोग सेक्टर में रहते हैं, जो स्वेच्छा से खुद आकर अनुदान देकर सहयोग भी करते हैं। बेलवरण से विजयादशमी तक रोज रात में कई रंगारंग कार्यक्रम होंगे। इसके लिए कमेटी के युवा साथी इस बार भी तत्पर हैं।

भ्रष्टाचार के दलदल में अंचल कार्यालय, ईडी से शिकायत

झामुमो ने जड़ा सीओ पर घर में ऑफिस चलाने का आरोप

संवाददाता

बोकारो : जमीन की जमाबंदी को लेकर चास का अंचल कार्यालय एक बार फिर आरोपों के कटघरे में आ खड़ा है। झामुमो द्वारा मनमानी और भ्रष्टाचार के आरोप के बाद अब सीधे खुलकर पैसे लेने का मामला सामने आया है। चास अंचल कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी पर रुपये लेकर फर्जी जमाबंदी के आरोप में रांची स्थित ईडी के जोनल कार्यालय में लिखित शिकायत की गई है। शिकायत में बताया गया है कि चास प्रखंड स्थित नारायणपुर मौजा (खाता संख्या 327) में वन भूमि एवं गैरमजरूआ खाते के भूमि को अंचल कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने मोटी रकम लेकर भू-माफियाओं के नाम पर गलत तरीके से जमाबंदी कर दी। जिला वन पदाधिकारी कार्यालय से लगभग एक किलोमीटर की दूर स्थित नारायणपुर मौजा (खाता संख्या 317) में फोरलेन सड़क किनारे वन भूमि पर भू- माफियाओं द्वारा कब्जा कर अवैध निर्माण कार्य कराये जाने की बात कही गई है।

कई दफा शिकायत, कार्रवाई शून्य

उक्त अवैध निर्माण कार्य को बंद करने को लेकर जेएमएम चास नगर सचिव सुफल बाउरी ने 26 जुलाई को वन संरक्षक प्रादेशिक अंचल बोकारो को पत्र लिखकर अवैध निर्माण को रोकने का आग्रह किया था, लेकिन अभी तक अवैध निर्माण कार्य नहीं रोका जा सका। इसी मामले में 8 अगस्त को बोकारो अपर समाहर्ता को पत्र लिखकर भी अवैध जमाबंदी को रद्द करने का आग्रह किया गया था। शिकायतकर्ता ने अंचल कार्यालय को भू-माफियाओं को पैसा लेकर बचाने में मदद का आरोप लगाया है। खबरों के मुताबिक, जिला स्तर पर कार्रवाई नहीं होने पर 31 अगस्त को झारखंड के मुख्य सचिव को मेल के माध्यम से जमाबंदी रद्द कर अवैध निर्माण कार्य रोकने का आग्रह किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। वर्तमान में राजस्व कर्मचारी अशोक कुमार द्वारा खाता संख्या 317 में लगभग 30 से 35 व्यक्तियों का जमाबंदी रद करने की अनुशंसा की गई है। लेकिन, उन सभी जमाबंदी को बचाने के लिए अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू पर अहम भूमिका निभाने का आरोप लग रहा है। हर माह अवैध उगाही में मध्यस्थता करने तथा वर्षों से एक ही जगह जमे रहने का आरोप भी उन पर है।

चास के अंचलाधिकारी पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनमानी का आरोप लगाते हुए बीते दिनों उनके दफ्तर के बाहर धरना दिया। चास अंचलाधिकारी की कथित मनमानी और झामुमो कार्यकर्ता को ऑफिस से निकल जाने वरना केस करने की धमकी देने की बात पर झामुमो के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। इसके बाद झामुमो कार्यकर्ता चास प्रखंड अध्यक्ष सुबल चंद्र महतो के नेतृत्व में प्रखंड सह अंचल कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना पर बैठ गए। आरोप है कि यहां राजस्व उप निरीक्षक पंचायत सचिवालय नहीं जाते हैं। अपने साथ चार-चार बाहरी असिस्टेंट रखे हुए हैं, जो लोगों से पैसा वसूली करते हैं। वहीं अंचलाधिकारी अपने घर को गोपनीय शाखा बनाकर रखे हैं। अंचल कार्यालय में कोई काम नहीं होता है। सारा काम अंचलाधिकारी अपने घर में करते हैं। बाद में वार्ता में अंचलाधिकारी ने कहा कि वह नए-नए आए हैं और सभी को पहचानते नहीं हैं। उनके सुझाए अनुसार ही सारे काम होंगे। काम में जनता को कोई परेशानी नहीं होगी। जहां तक राशि वसूलने की बात है तो वह निराधार है।

इधर, पूर्व अंचलाधिकारी सहित 5 पर फर्जीवाड़ा का मुकदमा

कोर्ट के आदेश पर चास के पूर्व सीओ दिलीप कुमार सहित प्रधान लिपिक मिथिलेश पाठक, अंचल के राजस्व उप निरीक्षक मुक्तेश्वर रजक, रिटायर कर्मी विनोद शर्मा, सहायक लिपिक ओम प्रकाश सिंह व राजस्व उप निरीक्षक अंजू रानी आदि पर बालीडीह थाने की पुलिस ने फर्जीवाड़ा का केस दर्ज किया है। उक्त केस मखदुमपुर बालीडीह निवासी मो. अकबर की शिकायत पर दर्ज किया गया है। मामले में पूर्व सीओ व अंचल कर्मियों के अलावा चंद्रपुरा के अलारगो निवासी मो. खुर्शीद, हैसाबातू बालीडीह निवासी अयूब असांरी, मुस्तकिम अंसारी तथा लालबाबू अंसारी को भी आरोपी बनाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, पूर्व अंचल अधिकारी व कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी तरीके से दाखिल-खारिज कराया गया। इससे उनके हिस्से की जमीन भी हड़पने का प्रयास किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आह्वान डीवीसी में ग्रामसभा के दौरान परियोजना प्रधान ने की जागरुकता की अपील

स्वयं से करें भ्रष्टाचार-उन्मूलन और सतर्कता की शुरुआत : एनके चौधरी

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी सतर्कता विभाग की ओर से स्थानीय गोविंदपुर एफ पंचायत सचिवालय में सतर्कता सप्ताह के तहत ग्रामसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन डीवीसी के एचओपी एनके चौधरी ने पंचायत की मुखिया कबिता कुमारी, जिला परिषद सदस्य शहजादी बानो, थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर आरके राणा सहित सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं, पंसस आदि को पौधा प्रदान कर स्वागत के साथ किया। सर्तकता अधिकारी तारीक सईद ने सर्तकता जागरूकता विषय एवं पीआईडीपीआई 2004 संबंधी कानून के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी।

थाना प्रभारी ने सतर्कता जागरूकता के बारे में बताते हुए जनप्रतिनिधियों से इस विषय पर जागरूक होने की अपील की एवं अपना सहयोग प्रदान करने की बात कही। एचओपी ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को सतर्कता जागरूकता के बारे में बताते हुए कहा कि हम सभी को पहले अपने आप से शुरूआत करनी हैं, तभी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होने कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित करें तभी समाज और देश से भ्रष्टाचार समाप्त होगा।

इसके उपरांत जनप्रतिनिधियों द्वारा संबंधित विषय पर सवाल का जवाब एचओपी ने दिया। कार्यक्रम में एफ पंचायत के वार्ड सदस्य, डीवीसी के सहायक प्रबंधक एसए अशरफ, शकील अहमद इत्यादि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में एफ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दीपक रजक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन शाहिद इकराम ने किया।

हफ्ते की हलचल

जीजीईएसटी ने किया इंटक अध्यक्ष ददई का स्वागत

बोकारो : धनबाद के पूर्व सांसद, झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं इंटक अध्यक्ष चंद्रशेखर दुबे (ददई दुबे) का गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस (जीजीईएसटी), चास (बोकारो) में संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। उनके स्वागत में संस्थान के सचिव सुरेंद्र पाल सिंह, गुरविंदर सिंह एवं कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार उपस्थित रहे। श्री दुबे ने संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह के नेतृत्व में प्रगति कर रहे इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज की सराहना की। सचिव श्री सिंह ने कॉलेज में चल रहे विभिन्न इंजीनियरिंग कोर्स जैसे कंप्यूटर साइंस - कोर, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी; सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग; एम.बी.ए; बी.बी.ए.; बी.सी.ए. एवं फैशन टेक्नोलॉजी के कोर्सों के बारे में उन्हें अवगत कराया। जबकि, निदेशक डॉ जरुहार ने बताया कि ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा यह कॉलेज कौशल विकास केन्द्र भी चयनित हुआ है। उन्होंने स्कॉलरशिप एवं कॉलेज में हो रहे शानदार कैंपस प्लेसमेंट तथा अन्य अनेक जानकारियां भी श्री दुबे को दी। श्री दूबे ने कॉलेज के भव्य परिसर एवं अत्याधुनिक सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की।

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान का समापन

बोकारो : आजादी के 76 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार के नवीन नवाचार के तहत जिले भर में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का विधिवत समापन बोकारो विधानसभा क्षेत्र के नवीन को-ऑपरेटिव में हुआ। बोकारो विधानसभा क्षेत्र के सभी नौ मंडलों के अध्यक्ष द्वारा एकत्रित मिट्टी का कलश सौंपा गया। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में बोकारो विधायक बिरंची नारायण, शशिभूषण ओझा, कमलेश राय, लीला देवी एवं कार्यक्रम प्रभारी संजय त्यागी भी उपस्थित थे। विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि मेरी माटी-मेरा देश अभियान उन वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए शुरू किया गया है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। जिस मिट्टी के कण-कण में देशभक्ति की भावना बसती है, वह मिट्टी अब अमृत कलश के साथ नई दिल्ली जाएगी।

डीपीएस बोकारो में स्वास्थ्य-जांच पखवाड़ा सम्पन्न

बोकारो : विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन-शैली के प्रति प्रेरित करने तथा उनकी सेहत की देखभाल के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में स्वास्थ्य जांच का सघन अभियान चलाया गया। आरोग्यम् नामक इस स्वास्थ्य-जांच पखवाड़ा का समापन चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के सम्मान से हुआ। शिविर में विद्यालय की प्राथमिक कक्षाओं से लेकर 12वीं तक के लगभग 3500 विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक भी लाभान्वित हुए। दंत-रोग चिकित्सक डॉ. तूलिका सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चास की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रेया सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ. अरविंद, ऑडियोलॉजिस्ट सुमित रंजन, सदर अस्पताल की दंत चिकित्सक डा. श्वेता मिंज, नेत्र-रोग विभाग के सहायक मंतोष कुमार तथा दंत-रोग विभाग के सहायक महेश कुमार ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें समुचित परामर्श दिए। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहा कि डीपीएस बोकारो शैक्षणिक उत्कृष्टता और विद्यार्थियों के समग्र विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति भी संवेदनशील है।

रोटरी ने दी बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श की जानकारी

बोकारो : रोटरी क्लब चास की ओर से डीपीएस चास में गुड टच और बैड टच विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें श्रीमद राज चंद्र मिशन घरमपुर गुराजत संस्था की सदस्य श्रुति सेठ ने बच्चों में जागरूकता पैदा करने को लेकर गुड टच और बैड टच के बीच अंतर को बताया। अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि हमलोगों को व्यक्तिगत मुहिम, व्यक्तिगत रुचि व जिम्मेदारी मानकर बच्चों में समझ विकसित करनी होगी। मौके पर रोटरी क्लब की सचिव डिंपल कौर, रोटरी क्लब चास महिला समिति की अध्यक्ष माधुरी सिंह, मंजीत सिंह, स्कूल की शिक्षिका रेणु कुमारी शर्मा सहित अन्य मौजूद रहीं। कार्यक्रम की सफलता पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, डायरेक्टर नवीन कुमार शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, एकेडमिक डीन जोस थॉमस, डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी।

कुलपति पर बिगड़े कुलाधिपति

भ्रष्टाचार का विश्वविद्यालय... गंभीर आरोपों की पुष्टि होने पर कुलपति बर्खास्त, भ्रष्ट अफसरों में हड़कंप

विशेष संवाददाता

बोकारो : विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च केंद्र माना गया है। लेकिन, इन दिनों धनबाद स्थित बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) भ्रष्टाचार को लेकर चर्चे में है। कुलपति प्रो. सुखदेव भोई पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और इससे संबंधित गठित जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर कुलाधिपति यानी झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें बर्खास्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा।

दरअसल, कुलपति प्रो सुखदेव भोई पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे। कुलाधिपति ने तत्काल कुलपति के पद से उन्हें पदमुक्त करने का आदेश दिया। उनके विरुद्ध विभिन्न स्तरों से कई गंभीर शिकायतें कुलाधिपति कार्यालय को मिली। इस पर राजभवन ने जांच का आदेश दिया था। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आरोपों की जांच के लिए एक टीम गठित की गयी।

राज्यपाल के निर्देश के आलोक में टीम ने गहन जांच कर प्रतिवेदन समर्पित किया। इसमें बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय अनियमितता बरतने की कई गंभीर शिकायतों की पुष्टि की गयी। समीक्षोपरांत कुलपति का आचरण व कृत्य विश्वविद्यालय के हित में नहीं पाया गया।

इसके बाद ही राज्यपाल ने प्रो सुखदेव भोई को कुलपति पद की गरिमा के विरुद्ध कार्य करने के लिये उन्हें पदमुक्त करने आदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार क्षम्य नहीं है, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि अपने कार्यकाल में कुलाधिपति ने पहली बार किसी कुलपति को बर्खास्त किया है। इससे भ्रष्ट पदाधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

विधायक मथुरा व लंबोदर ने की थी कार्रवाई की मांग

झामुमो विधायक मथुरा महतो एवं आजसू पार्टी के विधायक डा. लंबोदर महतो ने गत नौ अक्टूबर को राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से मिलकर विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शुकदेव भोई के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें पदमुक्त करने का आदेश दिया। दोनों विधायकों ने संयुक्त रूप से राज्यपाल को इस बात से अवगत कराया था कि कुलपति ने रानी शिक्षण संस्थान (टीचर ट्रेनिंग कॉलेज) एवं विधि महाविद्यालय सहित सभी बी एड कॉलेज से सात-सात लाख रुपए सहयोग राशि के नाम पर वसूली की है और यह राशि निजी बैंकों में जमा है। इसकी शिकायत किए जाने पर पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी गयी। जांच समिति ने शिकायत को सही पाया। बावजूद इसके दोषी पाए गए कुलपति के खिलाफ अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गयी है। इसी क्रम में विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्यपाल को इस बात से भी अवगत कराया था कि कुलपति का मनमाना रवैया बना हुआ है। स्थिति यह है कि कुलपति ने कई डिग्री कॉलेज में पीजी की पढ़ाई को बंद कर दिया है। यही नहीं कई कॉलेजों में क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई को भी बंद कर दिया है और इसके स्थान पर उड़िया भाषा चालू कर दिया है। उन्होंने राज्यपाल का ध्यान इस ओर भी आकृष्ट कराया की इंटर की पढ़ाई को भी बंद कर दिया है। विभागीय सचिव के आदेश के बाद भी कुलपति अंजान बने हुए हैं। उन्होंने राज्यपाल को इस बात की भी जानकारी दी थी की कुलपति ने यह फरमान जारी कर कोई भी दो विषय के अलावा अन्य भाषा में पीजी नहीं कर सकता है। जबकि दूसरे विश्वविद्यालय में ऐसा कुछ नहीं है। जूलॉजी व बॉटनी की पढ़ाई भी बंद कर दी गई है।

तेजी से बढ़ी श्रवण-वैज्ञानिकों की मांग : डा. अशोक

विशेष संवाददाता

पटना : 'बोलने और सुनने की समस्याओं के निदान में श्रवण-वैज्ञानिकों की भूमिका और महत्त्व को अब पूरा संसार समझने लगा है। इसीलिए बड़ी तेजी से पूरी दुनिया में श्रवण-वैज्ञानिकों की मांग बढ़ी है। अमेरिका और यूरोप में सर्वाधिक कमाई करने वाले व्यावसायिकों में चौथे स्थान पर वाक् श्रवण-वैज्ञानिक हैं। वैश्विक मांग की तुलना में श्रवण-वैज्ञानिकों एवं स्पीच पैथोलौजिस्टों की संख्या बहुत कम है। बिहार में तो यह संख्या न्यूनतम है। पूरे बिहार में इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ हेल्थ एजुकेशन ऐंड रिसर्च नामक एक मात्र संस्थान है, जहां वाक् एवं श्रवण-स्नातक का पाठ्यक्रम संचालित होता है।'

उक्त बातें पटना के बेउर स्थित इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ हेल्थ एजुकेशन ऐंड रिसर्च में संस्थान के वाक् एवं श्रवण विभाग की रजत जयंती के साथ आयोजित 'विश्व श्रवण-वैज्ञानिक दिवस' समारोह में राष्ट्रपति-सम्मान से विभूषित और भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थान 'अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांग संस्थान' के पूर्व निदेशक डा. अशोक कुमार सिन्हा ने कही। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों की श्रवण-क्षमता अच्छी होती है, उनकी आयु भी लम्बी होती है। कान में तेल डालने और मैल निकालने के लिए नुकीली चीजों का प्रयोग घातक होता है। 40 प्रतिशत वृद्धों में श्रवण-दोष पाए जाते हैं। कान के स्वास्थ्य के लिए भी प्रतिदिन व्यायाम आवश्यक है।

इस अवसर पर डा. सिन्हा समेत बिहार के प्रथम श्रवण-वैज्ञानिक डा. जवाहर लाल साह और संस्थान के प्रथम स्नातक डा. विकास कुमार सिंह को 'वाक् गौरव-सम्मान' से अलंकृत किया गया। समारोह का उद्घाटन करते हुए पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि बोलने और सुनने से संबंधित समस्याओं के निदान में और वाक्-श्रवण-दिव्यांगों के पुनर्वास में इस संस्थान के योगदान को समाज सदैव स्मरण रखेगा।

समारोह के मुख्य अतिथि और बिहार स्वास्थ्य-विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एस एन सिन्हा ने कहा कि बिहार में वाक् श्रवण विशेषज्ञों की बहुत आवश्यकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक-प्रमुख डा. अनिल सुलभ ने कहा कि विगत 25 वर्षों में संस्थान के इस विभाग ने बिहार के युवाओं को प्रशिक्षित करने और वाक् और श्रवण-दोषों से पीड़ित व्यक्तियों की सेवा में जो कार्य किए हैं, वह गौरवादायक है। इस संस्थान के स्नातक पूरे देश में ही नहीं, अपितु दुनिया भर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं ने स्वनिर्मित मॉडल की प्रदर्शिनी भी लगायी थी। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले समूह को पुरस्कृत किया गया। डा. जवाहर लाल साह, डा. विकास कुमार सिंह, विभाग के छात्र रणजीत गिरि, शौर्य साह, श्वेता कुमारी तथा निकिता कुमारी ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन महिमा झा ने व धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के प्रबंध निदेशक आकाश कुमार ने किया। संस्थान के पूर्ववर्ती छात्र और श्रवण-वैज्ञानिक डा. अनु सिंह चौहान, डा. धनंजय कुमार, डा. अभिषेक कुमार, डा. प्रशांत कौशिक, संस्थान के निदेशक-मण्डल की सदस्य किरण झा, आभास कुमार, मेनका झा, डा. संजीता रंजना, डा. रजनी झा, डा. नवनीत कुमार, डा. आदित्य ओझा, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. मधुमाला, प्रो. संजीत कुमार, प्रो. जया कुमारी, देवराज, सूबेदार संजय कुमार संस्थान के कई अधिकारी और छात्रगण उपस्थित थे।

रामबाबू नीरव के उपन्यास 'शंखनाद' का लोकार्पण

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : मां सीता की पुण्य भूमि सीतामढ़ी स्थित जानकी विद्या निकेतन राजोपट्टी के सभागार में सीतामढ़ी के राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित उपन्यासकार रामबाबू नीरव के पांचवे उपन्यास शंखनाद का लोकार्पण बिहार के जाने माने वरिष्ठ साहित्यकारों के कर कमलों द्वारा हुआ। कार्यक्रम सीतामढ़ी जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में सीतामढ़ी संस्कृति मंच तथा प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक साहित्यिक समारोह की अध्यक्षता मुजफ्फरपुर से आए वरिष्ठ साहित्यकार भगवती चरण भारती ने की, वहीं समारोह के मुख्य अतिथि मुजफ्फरपुर के ही वरिष्ठ साहित्यकार सह समालोचक डा. संजय पंकज थे। उद्घाटन दिनेशचन्द्र द्विवेदी, डा. मनोज कुमार, रानी कुमारी (जिला पार्षद) , रामशंकर शास्त्री, पत्रकार, डा. सुभद्रा ठाकुर, प्राचार्या, डा. कल्याणी शाही, कवि सुरेश वर्मा, कवयित्री नैना साहु, अरुण माया, वीरेंद्र सिंह (चौथी वाणी), संजय चौधरी, स्वतंत्र शांडिल्य, द्वारा सम्पन्न हुआ वहीं शंखनाद का लोकार्पण एक नयी सुबह के संपादक डा. दशरथ प्रजापति, डा. संजय पंकज, गोयनका कालेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. आरले लक्ष्मण राव, डा. प्रमोद कुमार प्रियदर्शी, डा. उमेश कुमार शर्मा, शिवशंकर सिंह, सुचित्रा नीरव, डा. अमित कुमार मिश्रा, डा. पंकजवासिनी, डा. चंदीर पासवान, वाल्मीकि कुमार, नेपाल से आए पत्रकार अजय कुमार झा, पूर्व शिक्षक राम एकबाल साहु, श्रीकृष्ण साह श्रीलंका से विशेष रूप से पधारे नीरव के मित्र आसिफ करीम आदि द्वारा किया गया। मंच संचालन पुपरी के वरिष्ठ कवि उदयसिंह करुणाकर, युवा कवि राहुल चौधरी एवं गौतम कुमार वात्स्यायन ने संयुक्त रुप से किया। अंत में रामबाबू नीरव ने अपने छठे उपन्यास तिष्यरक्षिता के भी शीघ्र प्रकाशन की घोषणा की।

जीवन में नवरस व सपनों को यथार्थ में बदलने का सुअवसर है नवरात्रि

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

शारदीय नवरात्रि (15 से 23 अक्टूबर 2023) पर विशेष

'आद्याशक्ति' अर्थात शक्ति का विशुद्ध प्रारंभिक स्वरूप। आद्याशक्ति, जिन्हें दुर्गा, काली, सरस्वती, लक्ष्मी इत्यादि नामों से भी संबोधित किया जाता है। नवरात्रि आद्या शक्ति की साधना, उपासना, मंत्र जप का सिद्ध काल है। आद्याशक्ति सर्वशक्तिमान हैं और इस ब्रह्मांड की सृष्टि, संरक्षण और संहार की शक्ति का स्वरूप हैं। आश्विन नवरात्रि में आद्याशक्ति का पूजन-साधना जीवन में उन्नति, सफलता और सुरक्षा के लिए संपन्न किया जाता है। अश्विन नवरात्रि में देवी की उपासना से साधक को आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ भौतिक उन्नति की दिशा में भी श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

नवरात्रि शुष्क हो रहे जीवन में दुबारा से नया रस संचार करने का समय है, अपने आप को शक्ति से युक्त करने का समय है। वास्तव में यह जीवन को स्वर्ग की भांति समृद्ध एवं आनंददायक करने का काल है।

जीवन है तो कष्ट होंगे, परंतु कई बार जीवन के कष्ट मामूली नहीं रहकर हमें उत्पीड़ित करते हैं तथा त्रस्त होकर हम सोचते हैं कि जीवन कैसे नरक बन गया? यदि आपके मन में यह सोच कभी भी आई है तो इसका अर्थ है कि आपके जीवन की अर्थ व्यवस्था चरमराने लगी है। अपने मन अनुसार आप कर नहीं पा रहे हो, आपके जीवन से रस सूखने लगा है। जीवनी शक्ति कम हो रही है, जिसे बनाए रखने के लिए देवी, शक्ति के स्रोत की शरणागति अनिवार्य है।

शक्ति के स्रोत से संयुक्त होकर ही शिव क्रियाशील होते हैं। शिव को हम सब त्र्यंबक कहते हैं, तीन नेत्रों से युक्त, लेकिन त्र्यंबक का अर्थ मात्र त्रिनेत्र नहीं है। त्र्यंबक शब्द में शक्ति मां रूप में उपस्थित हैं। मां को कहीं पर अम्बा भी कहते हैं। यह बात सब जानते हैं कि देवी ममतामयी मां अम्बा अपने शिशुओं को सब कुछ देती हैं। शिव देर सबेर कर दें, पर शक्ति नहीं।

अम्बा रूप में जगदम्बा के तीन रूप प्रचलित हैं- वाग्शक्ति से युक्त सरस्वती, इच्छा शक्ति संयुक्त लक्ष्मी और क्रिया शक्ति से युक्त काली। वाक् शक्ति को ज्ञान संतुलित करता है, सुबुद्धि इच्छा शक्ति को एवं यह दोनों मिलकर क्रियाशक्ति को नियंत्रित रखते हैं। वाक् शक्ति संसार की दिशा को बदलने वाली शक्ति है। वाक् शक्ति शब्द का आश्रय लेकर प्रकट होती है। जीव जितना अधिक बंधा हुआ होता है, उसकी वाक् शक्ति उतनी अधिक अप्रकट एवं अस्पष्ट होती है, जैसे पशु तरह-तरह की बोलियां बोलते हैं, क्योंकि वह पाश में बंधे हुए हैं।

पशु की भांति मनुष्य जब स्वयं को हीन और दुखी अनुभव करें, उसे वाक् शक्ति को साध लेना चाहिए। अर्थात अनर्गल वातार्लाप नहीं करें। शब्द मनोभाव को व्यक्त करने के यंत्र हैं, लेकिन वाक् शक्ति इस यंत्र की बैटरी है। जैसे मोबाइल के द्वारा हम किसी से भी बात कर सकते हैं, लेकिन यदि हमारे मोबाइल की बैटरी (Low) लो हो तो बात नहीं होगी, उसी प्रकार वाक् शक्ति जब तक प्रखर नहीं हो, शब्दों की कीमत नहीं होती। एक ही वाक्य दो लोग बोलें तो उसका प्रभाव अलग-अलग होगा और यदि उसे महामहिम कहें तो उसका प्रभाव अधिक होगा।

वाक् शक्ति को वज्रमय बनाने में मंत्र हितकारी हैं।

मनः तारयति इति मंत्रः
मंत्राः तु सफला सन्तुः

मंत्र मन को मुक्त करता है। जब हम अपनी परिस्थिति से हारने लगते हैं, उस समय हमारा मन हारा (पराजित एवं बंधा) हुआ अनुभव करता है। मन की परिस्थिति से हार जाना जीवन का अंधकार है।

अज्ञानम् तिमिरान्धस्य- अज्ञान का अंधेरा इसे ही कहा जाएगा, क्योंकि मंत्र शक्ति के होते हुए हार जाना कुछ वैसा ही है, कि गोली से भरी बंदूक पास में हो तथा आक्रमणकारी के आगे नतमस्तक हो जाएं। यही कारण है की अज्ञान में डूबा शिष्य जब गुरु के पास आता है तो गुरु उसे गुरु मंत्र देते हैं, जिसका नियमित जप करने से शिष्य अपने जीवन को बदल देता है।

अप्राप्ति से प्राप्ति की ओर

नवरात्रि अप्राप्ति से प्राप्ति की ओर बढ़ने की रात हैं।

अप्राप्त लक्ष्मी प्राप्तयर्थम्...

अज्ञान के अंधेरे में ज्ञान की मशाल इच्छा जलाती है। यह विश्व स्वप्न माना गया है। आंख खुली और सब गायब, जैसे गौतम बुद्ध के साथ हुआ था। स्वप्न अंग्रेजी में ड्रीम (Dream) है। ड्रीम शब्द पर ध्यान दोगे तो उसके साथ कुछ हेरफेर करने पर डेयर (Dare) शब्द बनता है। एक 'म' वर्ण अभी भी अतिरिक्त है, जो मैन या पुरुष का द्योतक है। मूल बात यह है कि ड्रीम का अर्थ है- पुरुष ने साहस किया अपनी इच्छा को पूरी करने के लिए। इस जीवन में इच्छा शक्ति लक्ष्मी रूपा है। जैसे जीवन को चलाए रखने के लिए एक सांस के बाद दूसरी सांस निरन्तर ली जाती है, वैसे ही इच्छाओं की श्रृंखला है। एक से दूसरा निकलेगा, इसे मायाजाल भी कहा गया है। इच्छाओं की पूर्ति नहीं होना कष्ट है। इस कष्ट को भोगना उत्पीड़न है, जो नरक तुल्य प्रतीत होता है। शक्ति के सभी रूप क्रियाशील होते ही इच्छाओं की पूर्ति सुलभ होने लगती है। शक्ति के विविध रूप हम सब के भीतर हैं और उन्हें हम बार-बार नमन करते हैं-

या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु लज्जा रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु शान्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धा रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु दया रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

इच्छाएं जहां कहने मात्र से साकार हो जाएं, वह स्थल स्वर्ग है। स्वर्ग में कामधेनु इच्छाओं की तत्काल आपूर्ति करने वाला प्रतीक है। दस महाविद्याओं में तारा इच्छाओं को सिद्ध कर देती हैं, कोई प्रतीक्षा नहीं। इसीलिए तारा के संबंध में प्रचलित मान्यता है कि वह अपने साधक को दो तोला सुवर्ण देती हैं। यह मान्यता एक प्रतीक के रूप में है।

इच्छाओं की पूर्ति में सबसे अधिक प्रभावशाली सुबुद्धि है। इसलिए लक्ष्मी शान्त बुद्धिमती, पति सेवा में रत सौभाग्यशाली स्त्री के रूप में प्रदर्शित हैं। क्योंकि हर गृहस्थी का आधार एवं उसका स्तंभ उसकी गृह लक्ष्मी की सुबुद्धि है। गृहलक्ष्मी अपनी सुबुद्धि से इच्छाओं के बेलगाम घोड़े पर अंकुश कसती हैं। सीधी सी बात है-

इच्छाओं की तत्काल पूर्ति स्वर्गीय सुख है, इच्छाओं का लगातार अधूरा रहना नारकीय पीड़ा। लेकिन इच्छाओं को तत्काल पूरा कर लेना हर समय संभव नहीं होता है। सुबुद्धि हमें जरूरी और गैर जरूरी इच्छाओं के बीच अंतर बतलाती है।

जहां सुमति तहं संपत्ति नाना।

इच्छा शक्ति का क्या है, वह तो किसी भी दिशा में चली जाए। विचार आया और इच्छा उस पर सवार होकर चल देती है। सुबुद्धि का कार्य है कि वह इच्छा शक्ति को प्रतीक्षा, श्रद्धा एवं संतोष से परिचित कराएं। बुद्धि तो सबके पास है, परंतु सुबुद्धि नहीं है।

बुद्धि का आश्रय स्थल मस्तिष्क माना गया है। यह दो भागों में बंटा हुआ है- सुविचार एवं कुविचार। इन दोनों के बीच में संतुलन जीवन में बैलेंस बनाकर रखना है, परंतु जीवन उन्नति की ओर उस समय बढ़ता है, जब सुबुद्धि फलती-फूलती है, वह बेबाक और मुखर होकर अपनी बात कहती है।

उन्मुक्त मन सुबुद्धि का आश्रय स्थल है। इसीलिए कवि कहते हैं-

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजर बद्ध नहीं उड़ पाएंगे

स्वर्ग वह स्थल है, जो ऊपर की ओर है। इसलिए शक्ति साधना में शक्ति को ऊर्ध्व दिशा में ले जाने के लिए साधक प्रयासरत रहता है। सामान्य शब्द में कहा जाए तो स्वर्ग जीवन को उत्कर्ष की ओर ले जाना है। अपनी मनगढ़ंत सीमाओं को धकेल कर बड़ा सोचना और बनना है। वर्तमान के अभाव से यदि ऊपर जाना है तो मन को मुक्त कर उड़ान भरना अनिवार्य है। मन को मुक्त मंत्र करता है, परंतु मन और दृश्य है, वह सूक्ष्म है, वह बड़ा सोच सकता है, बड़े स्वप्न देख सकता है। पर, यदि शरीर क्रिया नहीं करेगा तो कुछ भी संभव नहीं है।

शक्ति का बीज मंत्र **'ह्रीं'** है। **'ह्रीं'** को देवी प्रणव कहा गया है। **'ह्रीं'** में **'ह'** आकाश, **'र'** अग्नि, **'ई'** अर्द्धनारीश्वर एवं **'म'** नादबिन्दु है।

स्थिति कुछ इस प्रकार की होगी- एक स्त्री का पुत्र सोते-सोते चिल्लाता था कि उठो, जागो, भागो, लेकिन सोया रहता। सुबह उठकर घर वालों से लड़ता कि मैंने कोई दूरी क्यों नहीं तय की? दूरी तय करने के लिए संहार शक्ति चाहिए। क्रिया शक्ति संहार शक्ति का ही रूप है। संहार से डरना नहीं है, कहीं विघटन होता है, तभी संगठन बनता है।

काली रासायनिक प्रतिक्रिया की भांति पुराने को तोड़कर नया बनाती हैं। नया बनाते हुए पुराना से बैलेंस नहीं बिगाड़ा जाता है। जैसे रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सम किया जाता है, उसी प्रकार जीवन में नया बनाते हुए पुराने को असंतुलित नहीं करते हैं।

नवरात्रि काल पुराने शरीर के द्वारा नवीन रचनाओं का समय है। नए से हाथ मिलाना है, पर पुराने को छोड़ना नहीं है। नमस्ते की भांति दोनों हाथों को जोड़कर अपने अंदर शक्ति के सभी रूपों को सम्मानित करना है।

इस जीवन में बैलेंस बनाने में शब्द अति उपयोगी है। शब्दों के माध्यम से हम किसी का सम्मान या किसी का अपमान करते हैं। शब्द वर्ण से बनते हैं। देवी काली के गले में पचास मुण्डों की माला है। ज्ञानी जन जानते हैं कि यह वास्तव में मुण्ड नहीं है, ममतामयी मां मुण्ड को नहीं, बल्कि मुण्ड में चल रहे विचारों को धारण करती हैं। विचार एवं वाग्शक्ति सम्बद्ध हैं। काली की क्रिया शक्ति इच्छा शक्ति और वाग्शक्ति को सार्थक कर देती है। नवरात्रि काल सपनों को यथार्थ में परिवर्तित कर जीवन को स्वर्ग तुल्य करने का अवसर है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

शारदीय नवरात्र - अंतर्निहित ऊर्जा के प्राकट्य का समय

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

आश्विन माह के शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक का दिन दैवीय शक्ति के आह्वान का दिन होता है। इसे स्वयं की शक्ति जागरण का समय भी कहते हैं। स्वयं की शक्ति जागरण के लिए हमें अपने शरीर में ही नीचे से ऊपर अवस्थित चक्रों के बारे में जानना होगा। शरीर में नाड़ियों के मिलन स्थल को चक्र कहा जाता है। चूंकि इन चक्रों का जुड़ाव हमारे शरीर के अंगों एवं ग्रंथियों से होता है, इसलिए इन चक्रों में उत्पन्न हुई हलकी सी बाधा हमें बहुत प्रभावित करती है। एक चक्र के बाधित होने से दूसरा चक्र भी प्रभावित होने लगता है। हमारे शारीरिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक विकास के लिए इन चक्रों का निर्बाध कार्य करना आवश्यक है। ये चक्र जितना विकसित होंगे, हमारा जीवन उतना ही विकसित होगा।

आइये इन्हें विस्तार दें-

हमारे शरीर में मुख्यतः सात चक्र हैं, जो निम्नलिखित हैं-
मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपूर, अनाहत, विशुद्धि, आज्ञा और सहस्रार।

1- मूलाधार चक्र - इसे ROOT CHAKRA भी कहा जाता है।
रंग- लाल, तत्व- पृथ्वी, शरीर में इसकी उपस्थिति- गुदा और जननेंद्रिय के बीच होता है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं- अनावश्यक भय, क्रोध, अपने आप को कमतर आंकना, असुरक्षा का भाव, भोग एवं विलास में लिप्त रहना, अधिकार की भावना का होना।

इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण -जमीन से जुड़ाव का अहसास रहना, कर्तव्य बोध की जागृति, ऊर्जा और जीवनी शक्ति से भरपूर होना, शक्ति से भरपूर होना, शांत चित्त होना, पाचन शक्ति सुचारु रूप से सक्रिय होना। मूलाधार चक्र के लिए बीज मंत्र - लं (LAM) है।
मूलाधार चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन है- वक्रासन, ताड़ासन।

2- स्वाधिष्ठान चक्र - इसे Sacral Chakra भी कहा जाता है।
रंग - नारंगी, तत्व -जल, शरीर में इसकी उपस्थिति- जननेंद्रिय के ठीक ऊपर और नाभि से लगभग चार अंगुल नीचे होता है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं- चिड़चिड़ापन, किसी के सामने आने से कतराना, अपराधबोध, दूसरे पर दोषारोपण करना, सकारात्मकता का अभाव, बहुमूत्रता से पीड़ित होना, PCOD, PCOS से पीड़ित होना, मानसिक अवसाद से ग्रसित होना।

इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - करुणा, मित्रता, सहृदयता का भाव होना, भरपूर जीवनी शक्ति, हम सबके हैं और सभी अपने हैं, यह भाव होना, आनंदित अवस्था में रहना। स्वाधिष्ठान चक्र के लिए बीज मंत्र - वं (VAM) है। स्वाधिष्ठान चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन है- त्रिकोणासन।

3- मणिपूर चक्र - इसे Solar Plexus Chakra भी कहा जाता है।
रंग - पीला, तत्व - अग्नि, शरीर में इसकी उपस्थिति- नाभि और पसली पंजर के बीच में।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं- अस्थिरता, अस्वीकृति का भय, अवसाद, सही निर्णय लेने में अक्षम होना, हर वक़्त दूसरों के क्रियाकलापों पर नजर रखना और उनमें मीन मेख निकालना, मधुमेह रोग से ग्रसित होना, एड्रिनल ग्रंथि का सुचारु रूप से सक्रिय नहीं होना, वात रोग एवं पाचन सम्बंधित समस्याओं से पीड़ित होना।

इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - बुद्धिमान होना, कम समय में ज्यादा काम का निबटारा करने वाला होना, समुचित और संतुलित ध्यान का होना, पाचन तंत्र सुचारु रूप से सक्रिय होना। मणिपूर चक्र के लिए बीज मंत्र - रं (RAM) है। मणिपूर चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन है- पश्चिमोत्तासन, भुजंगासन।

4- अनाहत चक्र - इसे Heart Chakra भी कहा जाता है।
रंग - हरा, तत्व - वायु, शरीर में इसकी उपस्थिति हृदय स्थान में पसलियों के मिलने वाली जगह के ठीक नीचे है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं- तनाव, चिंता में रहना, मनमौजी होना, ईर्ष्यालु होना, निराशावादी होना, अपने आपको त्याज्य समझना, श्वसन संबंधित व्याधि से परेशान होना, फेफड़ों से संबंधित व्याधियों, खासकर अस्थमा से पीड़ित होना, हृदय रोग से पीड़ित होना।
इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - प्रत्येक के लिए सत्य, प्रेम एवं करुणा का भाव होना, हर वक़्त आनंद की अवस्था में होना। अनाहत चक्र के लिए बीज मंत्र - यं (YAM) है। अनाहत चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन है- मतस्यासन, अर्धसेतुबंधासन।

5- विशुद्धि चक्र - इसे Throat Chakra भी कहा जाता है।
रंग - ब्लू, तत्व - आकाश (शब्द), शरीर में इसकी उपस्थिति कंठ के गड्ढे में है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं- विचारों के सम्यक सम्प्रेषण की कमी, इच्छा शक्ति का अभाव होना, दांतों एवं मसूड़ों की बीमारियां, पाचन नलिका संबंधित समस्या से पीड़ित होना।

इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - हर परिस्थिति में संतुष्ट रहना, अपने विचारों को भली भांति सम्प्रेषित करना, धीरवान होना। विशुद्धि चक्र के लिए बीज मंत्र - हं (HAM) है।
विशुद्धि चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन हैं- सर्वांगासन, हलासन।

6- आज्ञा चक्र - इसे Third Eye Chakra भी कहते हैं।
रंग - नीला, तत्व - कोई नहीं। यहां आकर चेतना का बोध होने लगता है।
शरीर में इसकी उपस्थिति - दोनों भवों के बीच होता है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं - अति महत्वाकांक्षी, अहंकारी, अनुशासनहीनता, आंखों की समस्या, सर दर्द।
इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति, सकारात्मक, स्पष्ट विचार, धैर्यवान। आज्ञा चक्र के लिए बीज मंत्र - ॐ (OM) है। विशुद्धि चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन है- शीर्षासन।

7- सहस्रार चक्र - इसे Crown Chakra भी कहते हैं।
रंग - हल्का सा बैंगनी लिए सफेद, तत्व - कोई नहीं।

शरीर में इसकी उपस्थिति - सिर के सबसे ऊपरी जगह पर, जहां नवजात बच्चे के सिर में ऊपर सबसे कोमल जगह होती है, होता है।

इस चक्र के बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याएं - स्वयं की पहचान पर स्वयं ही प्रश्न खड़े करना, निरुत्साह, निरुद्देश्य, जीवन से मोह भंग होना।

इस चक्र के संतुलित होने के लक्षण - सृष्टि के साथ एकात्म स्थापित करना, संतुष्ट और आनंद की अवस्था में होना। विशुद्धि चक्र को संतुलित करने के लिए योगासन शीर्षासन है।
ये चक्र बाधित न हों, निर्बाध रूप से क्रियाशील रहें, इसके लिए हमें अपने वातावरण के साथ-साथ कुछ अन्य बातों पर समुचित ध्यान देना चाहिए और वे हैं- संतुलित एवं सात्विक आहार, योगासन, मुद्रा, सांसों को प्राणवायु में परिवर्तित करने के लिए नियमित प्राणायाम, ध्यान। ऐसा करने से स्वयं में ही अंतर्निहित शक्ति का जागरण होगा और हम एक सफल और समृद्ध मनुष्य बनेंगे। नौ दुर्गा से शक्ति प्राप्त करके अपने शरीर के भीतर मौजूद चक्रों को ऊर्ध्वाकर गति दीजिए। स्वयं को पहचानिए। शक्ति का प्राकट्य हो, मन संकल्पित हो, शरीर, मन और आत्मा लयबद्ध हों, प्रकृति के साथ एकात्म स्थापित हो, सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह आरंभ हो, उज्जयिनी यात्रा का शुभारंभ हो। सकल मनोरथ पूर्ण हों। जय हो। विजय हो।

सेल में बोकारो स्टील प्लांट के स्ट्रक्चरल शॉप ने पहली बार बनाई बॉक्सन वैगन बॉडी

कारोबार

संवाददाता

बोकारो : सेल के इतिहास में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा पहली बार बॉक्सन वैगन बॉडी के फेब्रिकेशन का कार्य स्ट्रक्चरल शॉप के द्वारा किया गया है। मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) जेवी शेखर, मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (यातायात) एके झा, पीपी सिंह, महाप्रबंधक (आई.एम.एफ.) तथा शॉप्स विभाग के वरीय अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा हरी झंडी दिखा कर इसका फ्लैग ऑफ किया गया।

ज्ञातव्य है कि बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग में बॉक्सन वैगन बॉडी का उपयोग हार्ड कोक लोडिंग, एल डी स्लैग लोडिंग तथा सिंटर लोडिंग के लिए किया जाता है। वर्तमान में इसकी कमी के कारण सुचारू रूप से कार्य संचालन में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। बीएसएल के कर्मियों

ने अपनी कार्यकुशलता और दक्षता के साथ-साथ आर्थिक बचत में भी अहम भूमिका निभाई है। बाजार में एक बॉक्सन वैगन बॉडी की कीमत लगभग 35 लाख रुपये के आसपास है, जबकि स्ट्रक्चरल शॉप में एक बॉक्सन वैगन बॉडी बनाने में लगभग आठ लाख रुपये मात्र का ही खर्च लगा है। इस प्रकार अपने आंतरिक संसाधनों का उपयोग कर स्ट्रक्चरल शॉप ने लगभग 27 लाख रुपये तथा समय की भी बचत की है। स्ट्रक्चरल शॉप के महाप्रबंधक जेएन हांसदा के कुशल मार्गदर्शन में कुमार केशवेंद्र (प्रबंधक), संजीव कुमार झा (सहायक प्रबंधक) कपूर रंजन (ऑपरेटिव) की टीम ने अपने कड़ी मेहनत तथा तकनीकी ज्ञान का उपयोग कर पहला बॉक्सन वैगन बॉडी के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने स्ट्रक्चरल शॉप के वरिष्ठ अधिकारियों और टीम के सभी सदस्यों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी।

विविध कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय डाक सप्ताह का समापन

सामाजिक-आर्थिक विकास में डाकघरों की भूमिका अहम : एसएसपी उत्तम

संवाददाता

बोकारो : भारतीय डाक के गौरवशाली अतीत और बदलते समय के साथ इंडिया पोस्ट के सशक्त हुए आयामों की स्मृति में राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर सेक्टर-2 स्थित बोकारो के प्रधान डाकघर में भी कई कार्यक्रम हुए। वरीय डाक अधीक्षक, धनबाद उत्तम कुमार सिंह के निर्देशन व डाकपाल सतीश कुमार के नेतृत्व में यहां 09 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के बाद 10 अक्टूबर को वित्तीय सशक्तिकरण दिवस, 11 अक्टूबर फिलाटेली दिवस, 12 अक्टूबर को मेल एवं पार्सल दिवस तथा 13 अक्टूबर को अन्त्योदय दिवस मनाया गया। इस क्रम में विभिन्न स्कूलों में ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्कूली बच्चों को डाकघर का भ्रमण कराया गया तथा उन्हें चिट्ठी भेजने प्रक्रिया व डाक टिकटों की रंग-बिरंगी दुनिया से अवगत कराया गया। पूरे आयोजन की सफलता में सहायक डाक अधीक्षक, बोकारो अभिजीत रंजन, डाक निरीक्षक अमित कुमार, विपणन पदाधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय, मेल एपीएम सिन्धु, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा सीपीसी मैनेजर संतोष कुमार सिंह, पीआरआई रामवृक्ष पंडित, वीरेन्द्र ओझा, देवेन्द्र कुमार, शिवकिरण, रामदास कपूर आदि की अहम भूमिका रही। एसएसपी उत्तम कुमार सिंह के अनुसार, 1874 ईस्वी में स्विट्जरलैंड के बर्न शहर में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) की स्थापना के वर्षगांठ के रूप में विश्वभर में 09 अक्टूबर को प्रतिवर्ष विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन का मूल उद्देश्य देश और समाज के उभरते विकास खण्डों के बीच डाक विभाग की महती भूमिका और राष्ट्र की सामाजिक व आर्थिक विकास में डाकघरों की भूमिका के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।

Affidavit

We, 1. PUNAM KUMARI (maiden name of wife) 2. ARVIND KUMAR SINGH (name of husband), R/o- Qr. No.- 296, Sector- 3/B, P. O. + P. S. - B. S. City, District- Bokaro (Jharkhand), declare before the Notary Public Bokaro (vide Affidavit No.- 3395/11.10.2023) that we are married under Hindu Marriage Rights/Customs and are living together as married couple since 19.06.1994 (date of marriage). PUNAM KUMARI (maiden name of wife) would henceforth be known as PUNAM SINGH (name of wife after marriage) by virtue of our marriage.

आतंकवाद मानवता का दुश्मन : मोदी

संसदीय शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने वैश्विक एकजुटता में कमी पर जताई चिंता

ब्यूरो संवाददाता
नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को वैश्विक विकास के लिए एक बड़ा संकट और मानवता का दुश्मन करार दिया है। उन्होंने आतंकवाद के विरुद्ध विश्व स्तर पर एकजुटता नहीं बन पाने पर चिंता जताई है और इसे लेकर सख्ती दिखाने का आह्वान भी किया है।

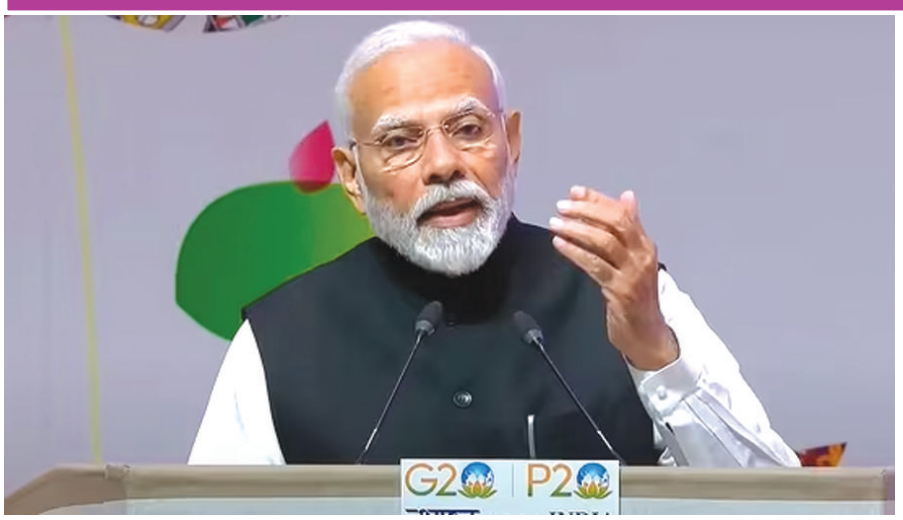

नई दिल्ली में आयोजित संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इजरायल-हमास युद्ध के बीच शांति का पक्ष रखा। कहा कि संघर्ष किसी के हित में नहीं है। यह शांति का समय है। दुनिया आज संकटों से जूझ रही है। ऐसे में जंग किसी के हित में नहीं है।

यह शांति और भाईचारे का समय

पीएम मोदी ने कहा कि यह शांति और भाईचारे का समय है, साथ मिलकर चलने का समय है, साथ आगे बढ़ने का समय है, सबके विकास और कल्याण का समय है। हमें वैश्विक विकास के संकट को दूर करना होगा और मानव केंद्रित सोच पर आगे बढ़ता है। हमें विश्व को वन अर्थ , वन फैमिली और वन भावना के नजरिए से देखना होगा। भारत दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना करता आ रहा है। इन आतंकियों ने देश के हजारों निर्दोष लोगों की जान ली है। आतंवादियों ने करीब 20 साल पहले हमारी संसद को भी निशाना बनाया था।

आतंकवाद की परिभाषा को लेकर वैश्विक जगत की हिप्पोक्रेसी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा- अब दुनिया को एहसास हुआ है कि आतंकवाद कितनी बड़ी चुनौती है। आतंकवाद चाहे कहीं भी होता है, किसी भी कारण से होता है, किसी भी रूप में होता है, यह मानवता के विरुद्ध ही होता है। इस तरह के आतंकवाद को लेकर हम सभी को लगातार सख्ती दिखानी होगी। उन्होंने आतंकवाद की परिभाषा को लेकर आम सहमति नहीं बन पाना बहुत दुखद बताया। कहा कि आज भी यूएन में इंटरनेशनल कंन्वेंशन इनकॉम्बेंटिंग टेररिज्म कांससेस का इंतजार कर रहा है। दुनिया के इसी का फायदा मानवता के ये दुश्मन उठा रहे हैं। दुनिया भर की संसदों को, प्रतिनिधियों को ये सोचना होगा कि आतंकवाद की इस लड़ाई हम कैसे मिलकर साथ काम करें। इस दौरान भारत के संसदीय लोकतंत्र की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि समय के साथ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं में सुधार हुआ है। ये प्रक्रियाएं और सशक्त हुई हैं और भारत में हमलोग आम चुनाव को सबसे बड़ा पर्व मानते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 1947 में आजादी मिलने के बाद से अबतक भारत में 17 आम चुनाव और 300 से अधिक राज्य विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के अलग कोनों में आज जो कुछ भी घट रहा है उससे कोई अछूता नहीं रहा है। आज दुनिया संकटों से जूझ रही है और इन संकटों से भरी दुनिया किसी के भी हित में नहीं है। मानवता के सामने जो बड़ी चुनौतियां हैं उनका समाधान एक बंटी हुई दुनिया नहीं दे सकती है।

हमास की अब टूट रही सांस, गाजापट्टी में वीरानी

यरुशलम : फिलिस्तीन के कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास की अब सांस धीरे-धीरे टूटती नजर आ रही है। इजरायल के कड़े रुख के बाद अब वहां हर तरफ वीरानी ही वीरानी छायी है। इस महीने की सात तारीख को बिना किसी उकसावे के इजरायल पर हुए हवाई हमले के बाद गाजा पट्टी में मरघट जैसा सन्नाटा पसरा है। हर तरफ बारूद की गंध है। आसमान पर चील और गिद्ध मंडरा रहे हैं। इजरायल की थल सेना ने मोर्चा खोल दिया है। खबरों के मुताबिक, बख्तरबंद गाड़ियां और टैंक गरज रहे हैं। इस लड़ाई में दोनों पक्षों को भारी क्षति हुई है। अब तक इजरायल में 1,300 और गाजा में 1,900 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। गाजा पट्टी में इजरायल ने नभ से थल तक हमास पर बमबारी और सीधी लड़ाई कर आतंक का फन कुचलने की शुरूआत कर दी है। इजरायल का मंसूबा साफ है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने थल सेना के गाजा में मोर्चा संभालने के बाद फिर चेताया है कि यह 'सिर्फ शुरूआत' है। उन्होंने नागरिकों से फौरन गाजा पट्टी छोड़कर जाने को कहा है। इस पर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने उनसे 'पुनर्विचार' करने का आग्रह किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सात अक्टूबर से जारी लड़ाई में इजरायल ने अपने 247 सैनिकों को भी खोया है। गाजा पर इजरायली हमले में अब तक 1,900 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 6,388 लोग घायल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा में 4.23 लाख लोग बेघर हो चुके हैं।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)